

पहला दिन था engineering college में,
बहुत सी बातें थी knowledge में,
कि Black & White पहन के जाना है,
गाँधी झोला, right soulder पे लटकाना है,
और फंडे में रहना है, गर seniors का प्यार नहीं पाना है..

तो यार,
होने लगे जब हम college के लिए तैयार,
विचारों के दल-दल में धंसे हुए,
थे अजीब कश्मकश में फंसे हुए..
कि color पहने या black-n-white
dark पहने या लाइट..
सुन रखा था,
First impression is last impression,
मारे पड़े थे deo.. दना-दन, दना-दन...
आखिर सवाल था class में image का,
थी बड़ी विचित्र परिस्थिति,
जैसे हाथ में हो 'vernier', और 'pitch' निकालना हो 'screwgauge' का..

सोच समझ कर, कमर कस कर..
after analysing the situation,
पहला दिन होगा colorfull,
कर लिया हमने decision.

जैसे जैसे पहुँचे हम college,

गुजर रहे थे corridor से,

तभी आवाज आई,

दुसरे छोर से...

जरा सुन-ना भाई - 2

हम पास गए, कहा क्या बात है..

बोले, बेटा 3rd में रह यहाँ तेरे seniors की बारात है..

हम खड़े हो गए, सीधे, चुप-चाप..

बोले, wish कौन करेगा तेरा बाप?!

बेटा, फंडे में रहना सीख,

और कल से तू black-n-white में दिख..

ये college है, तेरा ससुराल नहीं,

यहाँ चलने वाली तेरी दाल नहीं...

हमने तुरंत wish किया, "good morning sir !"

बोले, चल ठीक है, अब एक काम कर..

वो लड़की कड़ी है जा उसे propose मार,

करदे उसके सामने अपने प्यार का इज़हार..

हमने कहा ले बेटा, डूब गयी लुटिया..

विकट समस्या थी सामने खड़ी..

इधर जाओ तो भी पड़ी, उधर जाओ तो भी पड़ी,

सामने तैरने लगे seniors के कड़े हाथ,

सोचा जो होगा देखेंगे..

चल दिए पूरी हिम्मत के साथ.

चलते चलते पहुँचे लड़की के पास,
जो भी हो यार, लड़की थी झक्कास्सस!
दिल में खूब सारा डर था,
मगर छोटी सी थी एक आश..
की या-खुदा, शायद कह दे हों..
तो हो जाये अपने भी दर्द-ए-दिल की दवा...

Atlast, समेट के अपने पूरे जज़्बात,
धड़कते दिल के साथ,
हमने कहा "जरा सुनिए.."
उसने कहा "जी कहिये.." - 2
हमने कहा "जि आप मेरे दिल में रहिये.."
"I love u from the core of my heart.."
बोली "Idiot!"
"what nonsense is this.."
"I am not a miss!"
"Dont you have any manners, besahoor.."
"Propose करने से पहले तुम्हे दिखा नहीं सिन्दूर!!"

हमारी हालत थी ऐसी की काटो तो खून नहीं,
एक-एक पल बीत रहा था जैसे हो सदियाँ,
बहे जा रही थी पसीने की नदियाँ,
madam थी जारी..
बोली "अब मत कहना sorry"
"चलो बताओ अपना नाम, branch & year"

हमने कहा,

जि "Vivekanand Dubey, Bio-Tech, 1st semester"

बोली "for ur kind information, I'm your Bio-Science professor.."

हमने कहा ले बेटा,

डूब गयी भैस पानी में..

case था कुछ ऐसा जैसे सारे बाल गिर गए हों भरी जवानी में..

लेने लगे मन ही मन बजरंगबली का नाम

sessionals का तो पूरा हो चुका था काम-तमाम..

कर रहे थे मन में इश्वर को स्मरण..

तभी story ने लिया U-Turn...

madam अचानक हसी..

बोली "Ok, I can understand तुम्हे seniors ने कहा है.." - 2

"वैसे भी मेरे लिए ये सब regular ही रहा है"

"आराम से जाओ.. मत हो इतने mute.."

"वैसे frankly speaking, You're very cute!!....."

- विवेकानंद दुबे (VD)

Written between October 2004 to July 2005 (1st year)